फेडरेशन ऑफ ऑटो मोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (FADA) का दिल्ली में आयोजित 12वां ऑटो समिट कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष जी का संबोधन

———

फेडरेशन ऑफ ऑटो मोबाइल डीलर्स एसोसिएशन की 12वीं ऑटो समिट में देश भर से आए सभी ऑटो मोबाइल एसोसिएशन के डीलर भाइयों, बहनों एवं नौजवान साथियों।मैं सबसे पहले आपको शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूं।

मैं विशेष रूप से धन्यवाद इसलिए भी देता हूं कि आप केवल मोटर व्हीकल गाड़ियां ही बेचने का काम नहीं कर रहे हैं बल्कि आप गाड़ी बेचने के साथ-साथ अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को भी निभा रहे हैं। आपने एक ऐसी पहल और शुरुआत की है, जिससे समाज में और व्यक्ति के जीवन के अंदर एक सामाजिक परिवर्तन आया है। इसके लिए आपने एक नई शुरुआत की है। इसके लिए मैं आपको शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूं। गाड़ियों से जो प्रदूषण होता है, अभी टेक्नोलॉजी में परिवर्तन का दौर चल रहा है, उस प्रदूषण को रोकने में हमारे क्या प्रयास हो सकते हैं, उसके लिए आप एक गाड़ी के साथ एक पौधा भी दे रहे हैं।

एक वर्ष के अंदर दो करोड़ पौधे, जो व्यक्ति पौधा लेकर जाए, वह उसको लगाए और उसका संरक्षण करे। यदि आपके एसोसिएशन के सभी सदस्य देश भर में दो करोड़ पौधा बांटेंगे तो वे एक बड़ा हरित क्रांति का काम करेंगे। मैं इसके लिए आपको शुभकामनाएं देता हूं। यह प्रयास सामूहिक रूप से पूरे देश के लोगों को करना चाहिए।

हमारी 'वसुधैव कुटुम्बकम' की संस्कृति और संस्कार है। सामाजिक सेवा और समर्पण की भावना हमारे जीवन में है। हमने कोविड के समय दुनिया को बता दिया कि हम अपनी सामूहिकता की शक्ति से इतने विशाल देश में एक-दूसरे के सहयोग से जो कुछ भी

बन सका, वह किया। हमने एक मजबूत सामूहिक भारत की तस्वीर दुनिया के सामने रखी। इस तरीके का प्रयास, जिसकी आपने शुरुआत की है, उससे नये लोगों को, विभिन्न एसोसिएशंस को प्रेरणा मिलेगी, इंडस्ट्रीज के लोगों को प्रेरणा मिलेगी।

साथ ही सर्विस सेक्टर के लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। जलवायु परिवर्तन के विषय पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी ने दुनिया के अंदर कहा है कि आबादी की दृष्टि से हम 17 प्रतिशत हैं, लेकिन कार्बन उत्सर्जन के मामले में हम कम हैं। हम अपने लक्ष्य से इसको और कम करने का काम करेंगे। इस संकल्प में आपके सहयोग के लिए मैं आपको शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूं।

यह बात सही है कि पूरी दुनिया में एक समय था कि जब पेट्रोल और डीजल से गाड़ियां चलती थीं। आज युग परिवर्तन हो रहा है। आज पेट्रोल-डीजल के अलावा सीएनजी है, एलपीजी है एवं इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स आए हैं। अब भारत में हाइड्रो व्हीकल्स आने की तैयारी हो रही है। मुझे लगता है कि यह परिवर्तन का दौर है। इस परिवर्तन के दौर में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका डीलर्स की होती है, क्योंकि डीलर्स और ग्राहक का संबंध सबसे नजदीक का होता है। मैन्युफैक्चर्स चाहे कितनी ही बेहतरीन गाड़ियों का उत्पादन कर लें, लेकिन जो डीलर होता है, वह गाड़ी के फीचर्स को इस तरीके से ग्राहक के सामने प्रेजेन्ट करता है, तब उस गाड़ी को खरीदने की ग्राहक की मनःस्थिति बनती है। इसीलिए इस बदलते परिप्रेक्ष्य में जहां रोज नई तकनीक आ रही है, नया इनोवेशन हो रहा है, नया रिसर्च हो रहा है, नई तकनीक और रिसर्च के साथ मैन्युफैक्चर्स को भी लगातार अपने आपमें बदलाव करने की आवश्यकता पड़ रही है। उसी के साथ डीलर्स को भी नए फीचर्स एवं बदलाव के साथ ग्राहकों से संबंध बनाने की आवश्यकता पड़ रही है।

मुझे आशा है कि जब मैन्युफैक्चर्स, डीलर्स और ग्राहकों के मजबूत संबंध की कड़ी ठीक से जुड़ेगी, तो हमारे भारत का जो अंतिम उपभोक्ता है, हम उसको सही जानकारी भी

दे पाएंगे। जैसा आपने बताया है कि सड़क सुरक्षा की दृष्टि से एक व्यापक अभियान चलाया गया है। संसद में भी इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई है। सरकार ने भी तय किया है कि हम सड़क दुर्घटनाओं को आने वाले समय में 50 प्रतिशत कम करेंगे। इसके लिए मैन्युफैक्चर्स का भी योगदान है, ताकि वे सुरक्षा के फीचर्स के साथ नई गाड़ियां निकालें। उस गाड़ी की कीमत भी ग्राहकों के अनुकूल रहे। डीलर्स ग्राहकों को सुरक्षा के नए फीचर्स की जानकारी दें, ताकि एक कड़ी जुड़े और हम सड़क सुरक्षा के रूप में एक नया कीर्तिमान हासिल कर पाएंगे। इस लक्ष्य को पूरा करने में आपका बहुत बड़ा योगदान होगा।

इसीलिए हमें एक ग्राहक को सारी जानकारी देनी है। उसकी गाड़ी की सुरक्षा की जानकारी, चलाते समय सुरक्षा के क्या-क्या इंतजाम करने हैं, उसको बताएं। जब कभी दुर्घटना हो जाती है, अगर उसके बाद जो पहला संबंध होता है, तो वह आपका होता है। जब वह गाड़ी ठीक कराने के लिए आता है, तब आप उससे सारी जानकारी लेते हैं। गाड़ी का एक्सीडेंट कहां हुआ, किस स्थान पर हुआ, उसका क्या कारण है। इसके लिए आपके पास जो जानकारी है, ग्राहक के साथ आपका नजदीकी संबंध होता है। आप एक नया रिसर्च कर सकते हैं कि देश के किस इलाके में ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं। उन दुर्घटनाओं के क्या-क्या कारण हैं। दुर्घटना के बाद हमें उसके त्वरित उपचार के लिए क्या-क्या प्लान करना है।

हमें एक बेसिक प्लान बनाने की आवश्यकता है। डीलर्स ग्राहक को सम्पूर्ण जानकारी देने के साथ-साथ रोड्स पर जितनी भी दुर्घटनाएं होती हैं तथा जिस इलाके में ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं, वहां त्वरित गति से डीलर्स तथा मैन्युफैक्चरर्स अपना सामजिक उत्तरदायित्व निभाएं। दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को नजदीक के अस्पताल में ले जाने के लिए फास्ट एम्बुलेंस हो और उस एम्बुलेंस में सारे फीचर्स हों, ताकि वह एम्बुलेंस एक चलता-फिरता हॉस्पिटल हो, जिससे दुर्घटना होने के बाद उस व्यक्ति को बचाया जा सके।

मेरा मानना है कि अगर हमने एक व्यक्ति की भी जिंदगी बचा ली तो उससे बड़ा पुण्य का काम नहीं हो सकता है। मैंने उस दर्द को देखा है, उस पीड़ा को देखा है। दुर्घटना से अगर सबसे ज्यादा किसी की मृत्यु होती है तो नौजवानों की होती है। उसका सारा परिवार उस पर आश्रित होता है। वह गांव-ढाणी से चलता है, शहर में काम करने आता है, बड़े सपने लेकर आता है, लेकिन दुर्घटना के बाद अगर उसकी मृत्यु हो जाती है या काम करने में अक्षम हो जाता है तो वह उसकी सबसे बड़ी पीड़ा होती है। इसलिए हमें डीलर होने के नाते उसकी सुरक्षा के इंतजाम, उसके लिए इंश्योरेंस की पॉलिसी के इंतजाम करने चाहिए। दुर्घटना के बाद उस राज्य की सरकार की जो योजनाएं हैं, उन योजनाओं की जानकारी, केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी रहेगी तथा अगर हम उसको उस राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़कर रखेंगे तो अच्छा रहेगा। मान लीजिए किसी दुर्घटना के अंतर्गत कोई योजना है, दुर्घटना होने पर राज्य सरकार की तरफ से इतना पैसा मिलना है या किसी तरह की बीमा की योजना है या प्रधान मंत्री सुरक्षा योजना है तो ऐसी तमाम योजनाओं की जानकारी आप गाड़ी के बेचने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को देंगे तो शायद हम पहले सुरक्षा की दृष्टि से उनको बचाने की बात करेंगे, दुर्घटना के बाद उसके लिए बेहतर इलाज का काम करेंगे। उसके बाद भी अगर वह नहीं बच पाया तो उसके परिवार के पालन-पोषण का इंतजाम बेहतरीन तरीके से कोई कर सकता है तो सिर्फ डीलर ही कर सकता है।

मुझे बहुत अच्छा लगा कि आपने पर्यावरण की बात की, सड़क सुरक्षा की बात की। आपने सड़क सुरक्षा के इंतजामों की बात की, लेकिन कुछ कठिनाइयां और परेशानियां आपकी भी हैं। निश्चित रूप से आपके एसोसिएशन्स लगातार इस बात पर तथा कई बिन्दुओं पर सरकार के सम्पर्क में रहते हैं। जब बदलते परिवेश के अन्दर कोई कंपनी बंद हो जाती है तो काफी बड़ी संख्या के अन्दर लोग बेरोजगार हो जाते हैं। अगर अचानक कंपनी की तालाबंदी हो जाती है तो डीलर्स से लेकर काम करने वाले लोगों पर बड़ा इफैक्ट

पड़ता है। इसलिए इसका एक मॉडल बनना चाहिए, जिसके बारे में मुझे बताया गया है। मैं तो संसद में सुनने वाला हूँ, लेकिन मेरी अपेक्षा होगी कि संसद सदस्य सड़क सुरक्षा के बारे में बात करते समय कुछ डीलर्स के या कुछ फ्रैंचाइजीज़ के इश्यूज़ पर भी चर्चा करेंगे और अपने विषयों को रखेंगे। जब वे संसद या विधान मण्डल में अपने विषयों को रखेंगे तो निश्चित रूप से मेरी कोशिश होगी कि उचित समय पर उचित डायरेक्शन दूँ, ताकि आपकी समस्या का समाधान हो सके।

मुझे खुशी है कि आज दुनिया के अन्दर भारत वह देश है, जो आर्थिक रूप से सबसे तेजी से बढ़ रहा है। दुनिया के अन्दर आर्थिक डेस्टिनेशन के रूप में भी सबसे ज्यादा उपर्युक्त स्थान भारत के अंदर है। ऑटो मोबाइल एक ऐसा सेक्टर है कि जब मैं कहीं पर जाता हूँ तो देखता हूँ, चूँकि मैं बड़े देश में भी गया हूँ और छोटे देश में भी गया हूँ। छोटे देश युगांडा में मैने देखा कि टू-व्हीलर गाड़ी भारत की है। मैंने मैक्सिको में ट्रेक्टर देखा, वह भी भारत का था।

एक समय था जब भारत केवल बाहर से पुर्जे लाकर गाड़ियों को असेम्बल करने का काम करता था। आज हमें गर्व है कि भारत अभी भी एक्सपोर्ट के रूप में सबसे बड़ा हब है। आने वाले समय के अंदर दुनिया में ऑटो मोबाइल एक्सपोर्ट में भारत नेतृत्व करेगा, यह क्षमता हमारे पास है। हमारे नौजवानों की अद्‌भुत क्षमता है, इनोवेशन और रिसर्च की नई क्षमता है, इसलिए हमें भरोसा है कि दुनिया के विकसित देश नई टेक्नोलॉजी की गाड़ी लाते थे, एक समय यह आएगा जब भारतीय टेक्नोलॉजी के बारे में, सुरक्षा की दृष्टि से, नए फीचर के रूप में भी भारत के नौजवानों की बौद्धिक क्षमता, उनकी इनोवेशन क्षमता, उनकी रिसर्च की क्षमता के आधार पर भारत की गाड़ियां दुनिया में बिकने लगेंगी।

हमें गर्व है कि जो नई रिसर्चेज हैं, नए इनोवेशन्स हैं, उनको करना भारत ने शुरू कर दिया है। आज नए स्टार्ट अप्स के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों, भारत की चुनौतियों का

समाधान भारत का नौजवान करने लगा है। ऑटो मोबाइल सेक्टर रेवेन्यू की दृष्टि से सबसे बड़ा सेक्टर है और भारत में सबसे ज्यादा गाड़ियां बिकती हैं, इसलिए इस सेक्टर को आर्थिक रूप से भी मजबूत करना पड़ेगा। आटो मोबाइल सेक्टर आर्थिक रूप से जितना मजबूत होगा, भारत की आर्थिक स्थिति उतनी ही मजबूत होगी। मुझे आशा है कि यहां पर डीलर्स भी बैठे हैं, मैन्यूफैक्चरर्स भी बैठे हैं, हम किस तरीके से बदलते वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अपने आपको और दुनिया को सुरक्षा की दृष्टि से भी, नए फ्यूल और नई टेक्नोलॉजी के माध्यम से बेहतरीन गाड़ी दे सकें, ताकि आने वाले समय में भारत दुनिया का नेतृत्व कर सके। ऑटो मोबाइल सेक्टर के अंदर जो रेवेन्यू आता है, आर्थिक तंत्र का जो सबसे बड़ा हिस्सा आता है, वह ऑटो मोबाइल सेक्टर से आता है, वह हम अपने देश के अंदर उत्पादित गाड़ियों का यूज करें और आने वाले समय के अंदर भारत की बनी हुई गाड़ियां दुनिया के अंदर बेहतरीन हों, इस लक्ष्य के साथ काम करने की आवश्यकता है।

मैं पुन: डीलर्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों को बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं, जिन्होंने एक नया कीर्तिमान हासिल किया है, नए सामाजिक संकल्प लिए हैं और आने वाले समय में आपने जो सामाजिक संकल्प लिए हैं, चाहे वह पर्यावरण को सुरक्षित करने का हो, चाहे वह सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण काम - लोगों की जिन्दगियां बचाने का जो काम आपने शुरू किया है, अगर आप पूरे संकल्प के साथ काम करेंगे तो हम सब मिलकर इस दुनिया के अंदर, भारत के अंदर सबसे कम दुर्घटना वाला देश बनें, यह भी हमारा लक्ष्य होना चाहिए, ताकि हम लोगों की जिन्दगियों को बचा सकें। भारत सड़क सुरक्षा की दृष्टि से एक लैण्ड मार्क बने कि इतने बड़े और विशाल देश के अंदर, इतनी विविधता वाले देश के अंदर किस तरीके से हमने सामाजिक सहयोग से, सबके साथ मिलकर सड़क दुर्घटनाएं रोकने के व्यापक इंतजाम किए हैं।